

08 मई 2024 : समाचार विश्लेषण

A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

आपदा प्रबंधन:

- उच्च तापमान वाले मानचित्र हीटवेव के बारे में गलत जानकारी देते हैं:

पर्यावरण:

- मानसिक स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के अनदेखे प्रभाव:

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

E. संपादकीय:

राजव्यवस्था:

1. गरिमामय शांतिपूर्ण निधन हर किसी का अधिकार है:

पर्यावरण:

1. प्लास्टिक समाधान:

F. प्रोलिम्स तथ्य:

1. वेस्ट नाइल बुखार से एक व्यक्ति की मौत के बाद केरल में अलर्ट:

G. महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

उच्च तापमान वाले मानचित्र हीटवेव के बारे में गलत जानकारी देते हैं:

आपदा प्रबंधन:

विषय: आपदा एवं आपदा प्रबंधन।

मुख्य परीक्षा: हीटवेव/लू के बेहतर पूर्वानुमान की आवश्यकता।

विवरण:

- जलवायु परिवर्तन के कारण हीटवेब्स (heatwaves) लगातार, तीव्र और लंबी अवधि की होती जा रही हैं, जिसकी ओर ध्यान आकर्षित हो रहा है।
- हीटवेव की सटीक भविष्यवाणी करना चुनौतीपूर्ण है, विशेष रूप से हाइपरलोकल पैमाने पर, जो आपदा प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण है।
- हीटवेब्स विसंगतियों के रूप में उत्पन्न होती हैं, जो अपेक्षित मौसमी तापमान से अधिक होती हैं, जो सार्वजनिक समझ के लिए एक महत्वपूर्ण बिंदु है।

सभी तापमान मानचित्रों की सीमाएँ:

- सभी तापमान मानचित्र, जो अक्सर प्रतिष्ठित वैज्ञानिक संगठनों द्वारा उपयोग किए जाते हैं, जो खतरनाक हो सकते हैं लेकिन भ्रामक भी हो सकते हैं।
- रिकॉर्ड किए गए मान से दीर्घकालिक औसत तापमान घटाकर प्राप्त विसंगतियां, हीटवेव पैटर्न में स्पष्ट अंतर्दृष्टि प्रदान करती हैं।

आपदा प्रबंधन के लिए विसंगति मानचित्रों का महत्व:

- विसंगति मानचित्र स्थान-विशिष्ट हीटवेव पैटर्न को उजागर करके आपदा प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं।

- इस तरह के मानचित्र अधिक प्रभावी और कुशल आपदा तैयारी और प्रतिक्रिया को सक्षम बनाते हैं, विशेष रूप से संसाधन-सीमित सेटिंग्स में।
- विसंगति मानचित्रों पर आधारित पूर्वानुमानों और प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों को डाउनस्केलिंग तकनीकों के माध्यम से, सटीकता और प्रासंगिकता को बढ़ाकर बेहतर बनाया जा सकता है।

चुनौतियों का समाधान करना और आगे बढ़ना:

- एआई (AI) और मशीन लर्निंग का उपयोग करके पूर्वानुमान मॉडल को पड़ोस के पैमाने पर डाउनस्केल करने से प्रारंभिक चेतावनियों की सटीकता बढ़ सकती है।
- कुल तापमान मानचित्रों के बजाय विसंगति मानचित्रों का उपयोग करने से अनावश्यक चेतावनियों को रोका जा सकता है और मौसम पूर्वानुमान में विश्वसनीयता सुनिश्चित की जा सकती है।
- लू और अन्य चरम मौसम की घटनाओं के प्रभाव को कम करने के लिए पूर्वानुमान प्रणालियों और प्रारंभिक चेतावनी तंत्र में निरंतर सुधार आवश्यक है।

सारांश:

- आपदा प्रबंधन के लिए हीटवेव को समझना और भविष्यवाणी करना महत्वपूर्ण है। हालाँकि सभी तापमान मानचित्र भ्रामक हो सकते हैं, जबकि विसंगति मानचित्र (anomaly maps) महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। पूर्वानुमान सटीकता में सुधार और विसंगति मानचित्रों का उपयोग आपदा तैयारियों और प्रतिक्रिया को बढ़ा सकता है।

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

मानसिक स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के अनदेखे प्रभाव:

पर्यावरण:

विषय: पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण।

मुख्य परीक्षा: मानसिक स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव।

विवरण:

- जलवायु परिवर्तन के जटिल प्रभाव मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं को तीव्र गति से प्रभावित करते हैं।
- यह असुरक्षित रूप से कमज़ोर समूहों को प्रभावित करता है और पर्यावरण-चिंता और सोलास्टाल्जिया जैसी मनोवैज्ञानिक पीड़ाओं में योगदान देता है।
- यह मौजूदा मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों को और खराब कर सकता है।

गर्मी से संबंधित मौतों और मानसिक स्वास्थ्य पर अध्ययन के निष्कर्ष:

- ब्रिटिश कोलंबिया में 2021 के एक अध्ययन में पाया गया कि अत्यधिक गर्मी की घटना ने गुरुँ या हृदय रोग वाले लोगों की तुलना में सिज़ोफ्रेनिया वाले लोगों को अधिक प्रभावित किया।
- सिज़ोफ्रेनिया के रोगियों में गर्मी से संबंधित मौतों का खतरा अधिक था।
- अप्रत्याशित रूप से, हीटवेव के दौरान शारीरिक बीमारियों वाले मरीजों की तुलना में सिज़ोफ्रेनिया के मरीज़ अधिक प्रभावित हुए।

भेद्यता में योगदान देने वाले कारक:

- शरीर के तापमान को नियंत्रित करने के लिए जिम्मेदार हाइपोथैलेमस की शिथिलता एक प्रमुख कारक है।
- कुछ एंटीसाइकोटिक दवाएं हाइपोथैलेमस के कार्य में हस्तक्षेप कर सकती हैं और शरीर का तापमान बढ़ा सकती हैं।
- मनोवैज्ञानिक लक्षण और एनोसोग्रोसिया मदद लेने की क्षमता को और भी जटिल बना देते हैं।
- हाशिए पर जाना, आर्थिक स्थिति और अकेलापन भेद्यता को बढ़ा देता है, जैसा कि पिछली गर्मी की घटनाओं में देखा गया है।

सिफारिशें:

- एंटीसाइकोटिक दवाओं को बंद नहीं किया जाना चाहिए बल्कि परामर्श जैसे हस्तक्षेपों के साथ इसका प्रबंधन किया जाना चाहिए।
- गर्भी से संबंधित बीमारियों को पहचानने और संबोधित करने पर शिक्षा महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से सिज़ोफ्रेनिया वाले व्यक्तियों की देखभाल करने वालों के लिए।
- जलवायु परिवर्तन के अरेखीय प्रभाव मानसिक स्वास्थ्य पर इसके प्रभावों को कम करने के लिए व्यापक समझ और कार्रवाई की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।

सारांश:

- जलवायु परिवर्तन मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को बढ़ा देता है, हाल के एक अध्ययन से पता चला है कि सिज़ोफ्रेनिया के मरीज़ विशेष रूप से गर्भी से संबंधित मौतों के प्रति संवेदनशील होते हैं। बढ़ती जलवायु चुनौतियों के बीच अनुरूप हस्तक्षेप के लिए इन जटिलताओं को समझना महत्वपूर्ण है।

संपादकीय-द हिन्दू**संपादकीय:**

गरिमामय शांतिपूर्ण निधन हर किसी का अधिकार है:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

राजव्यवस्था:

विषय: भारतीय संविधान: विशेषताएं, महत्वपूर्ण प्रावधान।

मुख्य परीक्षा: प्रशासक देखभाल और लिविंग विल।

विवरण: जीवन के गरिमापूर्ण अंत के विकल्प

- रोनाल्ड रीगन का घर पर प्रियजनों के बीच शांतिपूर्ण निधन, अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन रक्षक सहायता पर (hospitalisation on life support) लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहने के विपरीत है।
- भारत में, 70% गंभीर रोगी जीवन रक्षक सहायता पर (लाइफ सपोर्ट), अक्सर आईसीयू में अकेले मर जाते हैं, जिससे परिवारों पर भावनात्मक और वित्तीय बोझ पैदा होता है।

विरोधाभासी प्रथाएँ:

- यूरो-अमेरिकी देश प्राकृतिक मृत्यु और उपशामक देखभाल को प्राथमिकता देते हैं, जिसमें मरने में व्यक्तिगत प्राथमिकताओं और गरिमा का सम्मान करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।
- भारत में, गंभीर बीमारी के रोगियों की एक बड़ी संख्या को लंबे समय तक लाइफ सपोर्ट पर आईसीयू में रखा जाता है, जो अक्सर उनकी प्राथमिकताओं के खिलाफ होता है, जिससे परिवारों के लिए शारीरिक, भावनात्मक और आर्थिक तनाव पैदा होता है।

नैतिक चिंताएँ और चिकित्सा पद्धतियाँ:

- पीड़ा को कम करने पर जोर देने वाले नैतिक सिद्धांतों के बावजूद, भारत में आईसीयू प्रथाएं अक्सर जीवन की गुणवत्ता पर विचार किए बिना जीवन को बढ़ाने को प्राथमिकता देती हैं।
- भारत में गहन देखभाल में होने वाली मौतों का नियमितीकरण मृत्यु के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण और परिवारों में तैयारियों की कमी को दर्शाता है।
- जीवन के अंत की देखभाल के लिए स्पष्ट कानूनी ढांचे की कमी से भ्रम बढ़ता है और अग्रिम निर्देशों के कार्यान्वयन में बाधा आती है।

प्रशामक देखभाल और लिविंग विल्स के लिए वकालत:

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (World Health Organization's) द्वारा उपशामक देखभाल को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता देना जीवन के सम्मानजनक अंत के विकल्पों की आवश्यकता को रेखांकित करता है।
- भारत के सर्वोच्च न्यायालय की स्वास्थ्य के अधिकार की स्वीकृति में उपशामक देखभाल शामिल है, जो संभावित रूप से जीवन के अंत की देखभाल नीतियों में सुधार का मार्ग प्रशस्त करती है।
- व्यक्तियों को जीवित वसीयत बनाने और परिवार के सदस्यों के साथ अपने जीवन के अंत की प्राथमिकताओं पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करना उन्हें उनकी इच्छाओं के अनुरूप एक शांतिपूर्ण जीवन सुनिश्चित करने के लिए सशक्त बना सकता है।

सारांश:

- जीवन के अंत की देखभाल की जांच में, रोनाल्ड रीगन और अटल बिहारी वाजपेयी के विपरीत अनुभव वैश्विक असमानताओं को उजागर करते हैं। हालाँकि पश्चिमी देश गरिमा के साथ प्राकृतिक मृत्यु को प्राथमिकता देते हैं, जबकि भारत नैतिक और कानूनी जटिलताओं से जूझ रहा है, सूचित निर्णय लेने और बेहतर उपशामक देखभाल की आवश्यकता पर जोर देता है।

प्लास्टिक समाधान:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

पर्यावरण:

विषय: पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण।

मुख्य परीक्षा: प्लास्टिक उचूलन में चुनौतियाँ।

प्रसंग: वैश्विक प्लास्टिक संधि वार्ता

- वैश्विक प्लास्टिक संधि का लक्ष्य संयुक्त राष्ट्र के 175 सदस्य देशों को शामिल करते हुए बातचीत के माध्यम से प्लास्टिक के उपयोग को खत्म करना है।

- वार्ता का हालिया दौर मुख्य रूप से तेल उत्पादक देशों की आर्थिक चिंताओं के कारण किसी समझौते पर पहुंचने में विफल रहा है।
- प्लास्टिक उत्पादन में कमी और संधि के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रियाओं के लिए कठिन समय सीमा को लेकर असहमति बनी हुई है।

भारत का परिप്രेक्ष्य और प्लास्टिक नियम:

- भारत किसी भी संधि में विकल्पों की उपलब्धता, पहुंच और सामर्थ्य को संबोधित करने की वकालत करता है, जो 'साझा लेकिन विभेदित जिम्मेदारी' के सिद्धांत के समानांतर है।
- वर्ष 2022 में, भारत ने प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन संशोधन नियमों को लागू किया, जिसमें एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक की 19 श्रेणियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया, लेकिन यह प्रवर्तन अभी भी असंगत बना हुआ है।

प्लास्टिक प्रदूषण का वैश्विक वितरण:

- ईए अर्थ एक्शन की एक रिपोर्ट के अनुसार ब्राजील, चीन, भारत और अमेरिका वैश्विक प्लास्टिक कचरे में प्रमुख योगदानकर्ता हैं, जो 60% के लिए जिम्मेदार हैं।
- प्लास्टिक प्रदूषण को केवल संधियों के माध्यम से प्रभावी ढंग से संबोधित नहीं किया जा सकता है; वैकल्पिक उत्पादों और सामर्थ्य में महत्वपूर्ण निवेश आवश्यक है।

विकल्पों में निवेश की आवश्यकता:

- प्लास्टिक से दूर जाने के लिए वैकल्पिक उत्पादों में पर्याप्त निवेश और उनकी सामर्थ्य सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।
- व्यवहार्य विकल्प विकसित करने के व्यापक प्रयासों के साथ-साथ प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के लिए यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित किए जाने चाहिए।

सारांश:

- प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के वैश्विक प्रयासों को आर्थिक चिंताओं और समय सीमा और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं पर अलग-अलग दृष्टिकोण के साथ संधि वार्ता में बाधाओं का सामना करना पड़ता है। भारत का रुख इस वैश्विक चुनौती से निपटने की जटिलता को उजागर करते हुए विकल्पों की सामर्थ्य और पहुंच की आवश्यकता पर जोर देता है।

प्रीलिम्स तथ्य:**1. वेस्ट नाइल बुखार से एक व्यक्ति की मौत के बाद केरल में अलर्ट:****प्रसंग:**

- वेस्ट नाइल बुखार से हुई एक मौत के बाद केरल हाई अलर्ट पर है।
- कोझिकोड, मलप्पुरम और त्रिशूर जिलों में आठ मामले सामने आए हैं।
- स्वास्थ्य मंत्री ने जनता को आश्वासन दिया है और निवारक उपाय शुरू किए हैं।

वेस्ट नाइल फीवर से सम्बन्धित जानकारी:**• लक्षण और संचरण:**

- इसके लक्षणों में तेज बुखार, सिरदर्द, गर्दन में अकड़न, भटकाव, मांसपेशियों में कमजोरी और पक्षाघात शामिल हैं।
- यह मुख्य रूप से क्यूलेक्स मच्छरों द्वारा संक्रमित पक्षियों के काटने से फैलता है; इसका कोई मानव-से-मानव संचरण नहीं देखा गया।
- इसके उपचार में सहायक देखभाल, अस्पताल में भर्ती, अंतःशिरा तरल पदार्थ और माध्यमिक संक्रमण की रोकथाम शामिल है; मनुष्यों के लिए इसका कोई टीका उपलब्ध नहीं है।

• निदान प्रक्रिया:

- वायरस रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लैब में विश्लेषण किए गए रक्त और मस्तिष्कमेरु द्रव के नमूनों के माध्यम से संक्रमण की पुष्टि की जाती है।
- आधिकारिक पुष्टि के लिए नमूने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, पुणे को भेज दिए गए हैं।

भावी कदम:

- **निवारक उपाय:**

- मच्छरों के पनपने के स्थानों को खत्म करने के लिए मानसून पूर्व सफाई अभियान तेज़ किया गया।
- प्रभावी नियंत्रण उपायों के लिए स्वास्थ्य अधिकारियों और स्थानीय प्रशासन के बीच सहयोगात्मक प्रयास।

- **जन जागरण:**

- सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने के लिए लक्षणों और निवारक उपायों पर शैक्षिक अभियान।
- मामले की शीघ्र पहचान और उपचार के लिए स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के बीच सतर्कता।

- **अनुसंधान एवं उपचार:**

- टीके के विकास और बेहतर उपचार रणनीतियों पर निरंतर शोध।
- न्यूरो-इनवेसिव वेस्ट नाइल वायरस के रोगियों के लिए सहायक उपचार, अस्पताल में भर्ती होने और द्वितीयक संक्रमण को रोकने पर ध्यान केंद्रित करना।

महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. ब्रॉडकास्ट सेवा पोर्टल के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह विभिन्न प्रकार के लाइसेंसों, अनुमतियों, पंजीकरणों आदि के लिए प्रसारकों के आवेदनों को शीघ्र दाखिल करने और संसाधित करने के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल समाधान है।
2. इसे व्यवसाय करने में आसानी को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में 2024 में लॉन्च किया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: a

व्याख्या:

- ब्रॉडकास्ट सेवा पोर्टल 2022 में लॉन्च किया गया था।

प्रश्न 2. अक्सर समाचारों में देखी जाने वाली राफा क्रॉसिंग के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह गाजा पट्टी से सबसे दक्षिणी निकास बिंदु है।
2. इसकी सीमा मिस्र के सिनाई प्रायद्वीप से लगती है।
3. यह एकमात्र निकास है जो इजरायली क्षेत्र की ओर नहीं जाता है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: d

व्याख्या:

- तीनों कथन सही हैं।

प्रश्न 3. गाजा के अंदर और बाहर इनमें से किस सीमा पार का उपयोग विशेष रूप से वाणिज्यिक वस्तुओं की आवाजाही के लिए किया जा रहा था?

- (a) इरेज़
- (b) केरेम शालोम
- (c) रेफ़गा
- (d) A और B दोनों

उत्तर: b

व्याख्या:

- गाजा के दक्षिण में केरेम शालोम क्रॉसिंग का उपयोग विशेष रूप से वाणिज्यिक वस्तुओं की आवाजाही के लिए किया जाता है।

प्रश्न 4. वेस्ट नाइल वायरस के संबंध में इनमें से कौन सा कथन सही है/हैं?

1. यह एक मछर जनित, सिंगल -स्ट्रेन्ड आरएनए वायरस है।
2. यह वायरस से संबंधित एक फ्लेविवायरस है जो सेंट लुइस एन्सेफलाइटिस, जापानी एन्सेफलाइटिस और पीले बुखार के कारण भी जिम्मेदार है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: c

व्याख्या:

- दोनों कथन सही हैं।

प्रश्न 5. संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा (यूएनईए) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसे 2012 में ब्राजील में आयोजित सतत विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (रियो+20) के परिणामस्वरूप बनाया गया था।
2. यह वैश्विक पर्यावरण एजेंडा निर्धारित करता है, व्यापक नीति मार्गदर्शन प्रदान करता है, और उभरती पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए नीतिगत प्रतिक्रियाओं को परिभाषित करता है।
3. 2022 में यूएनईए में, विश्व के राष्ट्र विश्व के प्लास्टिक प्रदूषण संकट से निपटने के लिए 2024 के अंत तक एक कानूनी रूप से बाध्यकारी समझौता विकसित करने पर सहमत हुए।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: c

व्याख्या:

- तीनों कथन सही हैं।

UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. भारत में प्रभावी उपशामक देखभाल और अग्रिम चिकित्सा निर्देशों (जीवित वसीयत) को लागू करने में नैतिक, सांस्कृतिक और कानूनी चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। जीवन के अंत में देखभाल की गुणवत्ता में सुधार के लिए उपाय सुझाएं। (10 अंक, 150 शब्द) [जीएस-2, राजव्यवस्था] (Discuss the ethical, cultural, and legal challenges in implementing effective palliative care and advance medical directives (living wills) in India. Suggest measures to improve the quality of end-of-life care. (10 marks, 150 words) [GS-2, Polity])

प्रश्न 2. कमज़ोर आबादी पर अत्यधिक गर्मी की घटनाओं के बहुमुखी प्रभाव पर चर्चा कीजिए। इन चुनौतियों को बढ़ाने में जलवायु परिवर्तन की भूमिका का विश्लेषण करें और जोखिमों को कम करने

के लिए लक्षित नीतिगत उपाय सुझाएं। (10 अंक, 150 शब्द) [जीएस-3, पर्यावरण] (Discuss the multifaceted impact of extreme heat events on vulnerable populations. Analyze the role of climate change in exacerbating these challenges and suggest targeted policy measures to mitigate the risks. (10 marks, 150 words) [GS-3, Environment])

(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर किलक कर के आप अपने उत्तर BYJU'S की वेब साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)